हे अधोहस्ताक्षरी

डॉ. नीरज कुमार द्विवेदी
असिस्टेंट प्रोफेसर,
हिंदी विभाग, दयानंद वैदिक कॉलेज, उरई (जालौन)
सम्पर्क 7905531417,
E-mail - neerajdwivedi71@gmail.com

सच बताना
यह तुम्हारी योग्यता है
या कि कुंठा
तुम्हारा कोई भी अधीनस्थ
जब तुम से आगे बढ़ने का
आभास देता है तो
तुम लग जाते हो
उसके मार्ग में व्यवधान खड़े करने के
और इन व्यवधानों को कायदे–कानूनों का
नैतिकता का
सामाजिक मर्यादा का
जामा पहनाकर
उसके हितेषी बनने का पूरा प्रयास
करते हो।
और मेरी आंखें
तब फटी रह जाती हैं
जब मैं सुनता हूँ आपकी तारीफ
उस निरीह की जुबानी, जो
अपनी असफलताओं के एवरेस्ट से
खड़े होकर नि:श्वास करता है
गाता है तुम्हारे गुण
चारण–भाटों की तरह
नहीं दिखती किसी को
उसके अंदर की उमड़ती–घुमड़ती
काली–पीली–सफेद धुआंती रेखाएं

नहीं दिखते
सूखे आंसुओं के दाग–धब्बे
पर क्या फर्क पड़ता है इन सबसे ।

साहित्याकाश